रामसर स्थलों की संख्या में वृद्धि

हाल ही में भारत द्वारा 10 और आर्द्रभूमियों को रामसर अभिसमय के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमियों के रूप में शामिल किया गया है, इसी के साथ देश में रामसर स्थलों की संख्या बढ़कर 64 हो गई है।

- इससे पहले भारत ने **अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के पाँच नई आर्द्रभूमियों** को नामित किया था- तमिलनाडु में करीकिली पक्षी अभयारण्य, पल्लिकरनई मार्श रिज़र्व फॉरेस्ट और पिचवरम मैंग्रोव; मिज़ोरम में पाला आर्द्रभूमि तथा मध्य प्रदेश में साख्य सागर।
- रामसर स्थल रामसर अभिसमय के तहत अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की एक आर्द्रभूमि है, जिसे वर्ष 1971 में यूनेस्को द्वारा स्थापित एक अंतर-सरकारी पर्यावरण संधि 'आर्द्रभूमियों पर अभिसमय ' के रूप में भी जाना जाता है और इसका नाम ईरान के रामसर शहर के नाम पर रखा गया है, जहाँ उस वर्ष सम्मेलन पर हस्ताक्षर किये गए थे।

शामिल किये गए नए स्थलों की सूची:

रामसर स्थल	राज्य	विशेषता
कूनथनकुलम पक्षी अभयारण्य	**तमिलनाडु**	▪ यह दक्षिण भारत में निवासी और प्रवासी जल पक्षियों के प्रजनन के लिये सबसे बड़ा रिज़र्व है। ▪ यह मध्य एशियाई फ्लाईवे का हिस्से वाला एक महत्त्वपूर्ण पक्षी और जैवविविधता क्षेत्र है।
मन्नार की खाड़ी समुद्री बायोस्फीयर रिज़र्व	**तमिलनाडु**	▪ यह दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया में पहला समुद्री बायोस्फीयर रिज़र्व है। ▪ यह भारत में सबसे अधिक जैविक रूप से विविध क्षेत्रों में से एक है।
वेम्बन्नूर आर्द्रभूमि कॉम्प्लेक्स	**तमिलनाडु**	▪ यह मानव निर्मित अंतर्देशीय झील है। ▪ यह प्रायद्वीपीय भारत का सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित है, साथ ही यह **महत्त्वपूर्ण पक्षी और जैवविविधता क्षेत्र (IBA)** का हिस्सा है, इसलिये यह बर्डलाइफ इंटरनेशनल डेटा ज़ोन का भी हिस्सा है।
वेलोड पक्षी अभयारण्य	**तमिलनाडु**	▪ आर्द्रभूमि का मूल्यांकन करने हेतु आर्द्रभूमि की पारिस्थितिकी, पक्षियों की संख्या, प्रजनन के रिकॉर्ड और बसने वाली कॉलोनियों जैसे कारकों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता दी गई है।
वेदंतंगल पक्षी अभयारण्य	**तमिलनाडु**	▪ यह तमिलनाडु के सबसे पुराने पक्षी-संरक्षित क्षेत्रों में से एक है। ▪ इस साइट को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर महत्त्वपूर्ण पक्षी और जैवविविधता क्षेत्र (IBA) के रूप में भी मान्यता प्राप्त है।
उदयमार्थंदपुरम पक्षी अभयारण्य	**तमिलनाडु**	▪ यह स्थल जलपक्षियों की कई प्रजातियों के लिये महत्त्वपूर्ण स्थल और प्रजनन स्थल है। ▪ साइट पर देखी जाने वाली उल्लेखनीय प्रजातियाँ ओरिएंटल डार्टर, ग्लॉसी आइबिस, ग्रे हेरॉन और यूरेशियन स्पूनबिल हैं।
सतकोसिया गॉर्ज	**ओडिशा**	▪ यह **महानदी** नदी के ऊपरी क्षेत्र में शानदार

		घाटी के साथ फैली हुई है। ▪ इसे वर्ष 1976 में वन्यजीव अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और एक समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन करता है, जो पुष्प और जीव प्रजातियों की विविध आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। ▪ सतकोसिया भारत के दो जैव-भौगोलिक क्षेत्रों का मिलन बिंदु है; दक्कन प्रायद्वीप और पूर्वी घाट, विशाल जैवविविधता में योगदान करते हैं।
नंदा झील	**गोवा**	▪ इसे स्थानीय समुदायों और बड़े पैमाने पर समाज के लिये अपनी पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं तथा जैवविविधता मूल्यों हेतु गंभीर रूप से महत्त्वपूर्ण माना जाता है।
रंगनाथिट्टू पक्षी अभयारण्य	**कर्नाटक**	▪ इसे बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी द्वारा कर्नाटक और भारत में महत्त्वपूर्ण पक्षी क्षेत्रों (आईबीए) में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। ▪ यह भारत की पारिस्थितिक रूप से महत्त्वपूर्ण नदी तटवर्ती आर्द्रभूमि है, जो जैवविविधता में समृद्ध है।
सिरपुर वेटलैंड	**मध्य प्रदेश**	▪ यह न केवल अपने सौंदर्य के लिये बल्कि यह जल का एक महत्त्वपूर्ण स्रोत तथा डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में भूजल पुनर्भरण में मदद करने जैसी अत्यधिक महत्त्वपूर्ण पारिस्थितिक सेवाएँ प्रदान करता है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. यदि अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की आर्द्रभूमि को मोंट्रेक्स रिकॉर्ड' के तहत लाया जाता है, तो इसका क्या अर्थ है?

(A) मानवीय हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप आर्द्रभूमि के पारिस्थितिक स्वरूप में परिवर्तन हुआ है, हो रहा है या होने की संभावना है।
(B) जिस देश में आर्द्रभूमि स्थित है उसे आर्द्रभूमि के किनारे से पाँच किलोमीटर के भीतर किसी भी मानवीय गतिविधि को प्रतिबंधित करने के लिये एक कानून बनाना चाहिये।
(C) आर्द्रभूमि का अस्तित्व इसके आसपास रहने वाले कुछ समुदायों की सांस्कृतिक प्रथाओं और परंपराओं पर निर्भर करता है तथा इसलिये वहाँ की सांस्कृतिक विविधता को नष्ट नहीं किया जाना चाहिये।
(D) इसे 'विश्व विरासत स्थल' का दर्जा दिया गया है।

उत्तर: A

व्याख्या:

- **मोंट्रेक्स रेकॉर्ड (Montreux Record)** उन आर्द्रभूमि स्थलों की एक सूची है, जो अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व के हैं जहाँ के पारिस्थितिकि में परिवर्तन हुए हैं, हो रहे हैं, या तकनीकी विकास, प्रदूषण या अन्य मानव हस्तक्षेप के परिणामस्वरूप परिवर्तन होने की संभावना है। यह रामसर सूची के भाग के रूप में शामिल है।
- आर्द्रभूमि पर कन्वेंशन जिसे रामसर कन्वेंशन कहा जाता है, एक अंतर-सरकारी संधि है जो आर्द्रभूमि एवं उनके संसाधनों के संरक्षण तथा उचित उपयोग हेतु राष्ट्रीय कार्रवाई एवं अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिये रूपरेखा प्रदान करती है। कन्वेंशन को वर्ष 1971 में ईरानी शहर रामसर में अपनाया गया था और वर्ष 1975 में लागू हुआ था।

प्रश्न. आर्द्रभूमि क्या है? आर्द्रभूमि संरक्षण के संदर्भ में 'उचित उपयोग' की रामसर अवधारणा की व्याख्या कीजिये। भारत के रामसर स्थलों के दो उदाहरण दीजिये। (मुख्य परीक्षा 2018)

स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/new-addition-to-the-ramsar-sites-list